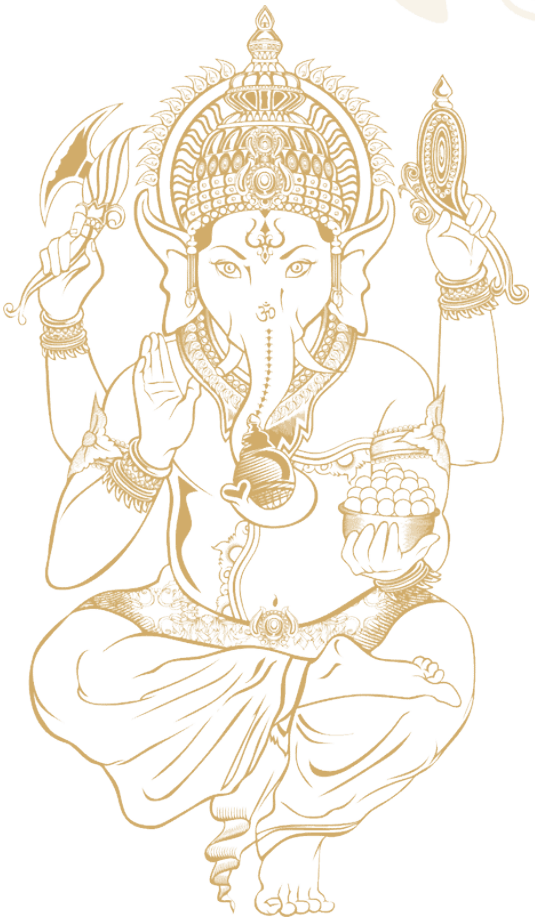

09 Mar 2001

01:05 PM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121206302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/03/2001**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:05:00 घंटे**
इष्ट	16:16:34 घटी
स्थान	**Aligarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:54:00 उत्तर
रेखांश	78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:47:16 घंटे
वेलान्तर	-00:10:34 घंटे
साम्पातिक काल	23:55:31 घंटे
सूर्योदय	06:34:22 घंटे
सूर्यास्त	18:22:37 घंटे
दिनमान	11:48:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	24:55:30 कुम्भ
लग्न के अंश	17:02:10 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	धृति
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:02:10	317:52:59	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	24:55:30	00:59:57	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	19:12:26	15:01:37	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	17:17:46	00:27:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध			मक	27:33:06	00:54:35	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
गुरु			वृष	10:15:51	00:07:45	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	23:51:31	00:00:40	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	उच्च राशि
शनि			वृष	01:53:05	00:04:29	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	19:24:14	00:09:12	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	उच्च राशि
केतु	व		धनु	19:24:14	00:09:12	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष			मक	28:31:05	00:03:12	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	13:53:06	00:01:50	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:23:18	00:00:18	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	04:54:19	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:09

लग्न-चलित

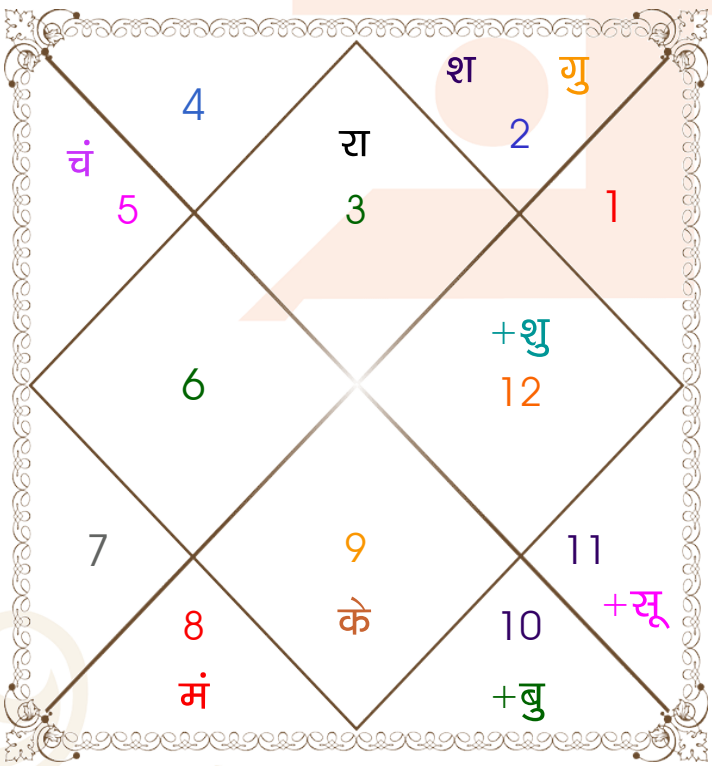

चन्द्र कुंडली

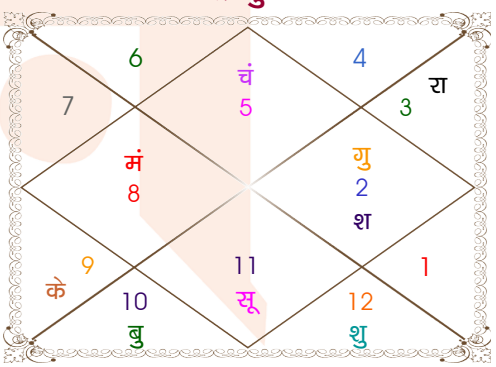

नवमांश कुंडली

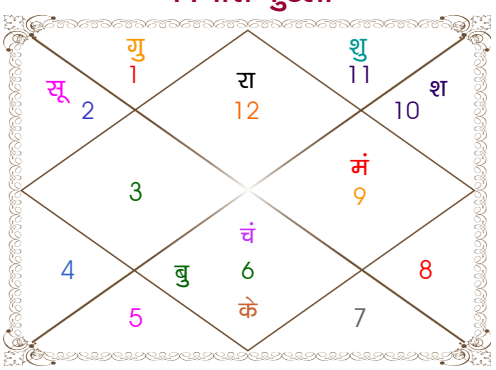

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 2 मास 8 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/03/2001		17/05/2012		17/05/2018		17/05/2028		18/05/2035	
17/05/2012		17/05/2018		17/05/2028		18/05/2035		17/05/2053	
	00/00/0000	सूर्य	03/09/2012	चंद्र	18/03/2019	मंगल	13/10/2028	राहु	28/01/2038
	00/00/0000	चंद्र	05/03/2013	मंगल	17/10/2019	राहु	01/11/2029	गुरु	22/06/2040
	00/00/0000	मंगल	11/07/2013	राहु	17/04/2021	गुरु	07/10/2030	शनि	29/04/2043
	09/03/2001	राहु	05/06/2014	गुरु	17/08/2022	शनि	16/11/2031	बुध	16/11/2045
राहु	17/07/2002	गुरु	24/03/2015	शनि	17/03/2024	बुध	12/11/2032	केतु	04/12/2046
गुरु	17/03/2005	शनि	05/03/2016	बुध	16/08/2025	केतु	11/04/2033	शुक्र	04/12/2049
शनि	17/05/2008	बुध	09/01/2017	केतु	18/03/2026	शुक्र	11/06/2034	सूर्य	29/10/2050
बुध	18/03/2011	केतु	17/05/2017	शुक्र	16/11/2027	सूर्य	17/10/2034	चंद्र	29/04/2052
केतु	17/05/2012	शुक्र	17/05/2018	सूर्य	17/05/2028	चंद्र	18/05/2035	मंगल	17/05/2053

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/05/2053		17/05/2069		17/05/2088		18/05/2105		18/05/2112	
17/05/2069		17/05/2088		18/05/2105		18/05/2112		00/00/0000	
गुरु	05/07/2055	शनि	20/05/2072	बुध	14/10/2090	केतु	14/10/2105	शुक्र	17/09/2115
शनि	16/01/2058	बुध	28/01/2075	केतु	11/10/2091	शुक्र	14/12/2106	सूर्य	17/09/2116
बुध	23/04/2060	केतु	08/03/2076	शुक्र	11/08/2094	सूर्य	21/04/2107	चंद्र	18/05/2118
केतु	29/03/2061	शुक्र	09/05/2079	सूर्य	17/06/2095	चंद्र	20/11/2107	मंगल	19/07/2119
शुक्र	28/11/2063	सूर्य	20/04/2080	चंद्र	16/11/2096	मंगल	17/04/2108	राहु	10/03/2121
सूर्य	16/09/2064	चंद्र	19/11/2081	मंगल	13/11/2097	राहु	06/05/2109		00/00/0000
चंद्र	16/01/2066	मंगल	29/12/2082	राहु	02/06/2100	गुरु	12/04/2110		00/00/0000
मंगल	23/12/2066	राहु	04/11/2085	गुरु	08/09/2102	शनि	22/05/2111		00/00/0000
राहु	17/05/2069	गुरु	17/05/2088	शनि	18/05/2105	बुध	18/05/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 2 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।